सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 180 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 4 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है जिसे आप दूसरों पर छिड़कते हैं तो कुछ बूंदे आप पर भी पड़ती हैं।

–महात्मा गांधी

डॉन, सोबर्स और गावस्कर की लिस्ट ... 7

उपराष्ट्रपति चुनाव पर लगेगा... 3

भाजपा हमेशा के लिए चली... 2

नहीं रहे राजनीति के मोर्चे पर अपराजेय योद्धा शिबू सोरेन

- दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए समर्पित कर दिया पूरा जीवन
- जनजातीय समाज के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए आजीवन संघर्ष किया
- देश में शोक की लहर पीएम मोदी से लेकर राहुल गांधी तक ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड की धुंध भरी पहाड़ियों के बीच जन्मे शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं रहे। गुरुजी के नाम से मशहूर आदिवासियों का अपना नेता जंगल की आत्मा और सत्ता के गलियारों की रौनक़ शिबू सोरेन ने आज जब अंतिम सांस ली तो न सिर्फ एक नेता गया बल्कि एक पूरी सदी का सपना सिसक उठा।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर देशभर की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन की सूचना देते हुए उनके बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं। उनके निधन पर विभिन्न दलों के प्रमुख नेताओं ने शोक व्यक्त किया और उन्हें एक संघर्षशील जननायक बताया। नेताओं ने उन्हें जनजातीय समाज का सच्चा प्रतिनिधि और झारखंड राज्य के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने वाला नेता करार दिया। कई नेताओं ने उनके परिवार और झारखंड के लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

किडनी की बीमारी से ग्रसित थे

शिबू सोरेन ने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में आखिरी सांस ली। शिबू सोरेन पिछले कई वर्षों से बीमार चल रहे थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने पर जून के आखिरी सप्ताह में गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीते कुछ दिनों से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। शिबू सोरेन किडनी की बीमारी से भी ग्रस्त थे। जून महीने में जब दिल्ली के अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था तब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अस्पताल में जाकर उनका हाल जाना था।

क्या-क्या नहीं सहा जुल्मो सितम

शिबू सोरेन सरकार की निगाह में देशद्रोही माने जाने लगे लेकिन जनता की निगाह में उनकी छवि किसी मसीहा से कम नहीं थी। शिबू सोरेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना शुरू हुई तो रूकने का नाम नहीं लिया। उन पर आरोप लगे हत्या से लेकर उग्रवाद तक के समर्थन के। उन्होंने जंगल के लोगों को जमींदारों, पुलिस और माफियाओं के खिलाफ खड़ा किया। उनकी सेना नहीं थी, पर उनके पास जनता का जनसैलाब था। 1986 में देवघर के सांसद तेलो दुबे की हत्या के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया। 2006 में एक बार फिर हत्या के आरोप में उन्हें आजन्म कारावास की सजा हुई, लेकिन हाईकोर्ट से बरी हो गए। कुछ लोगों ने उन्हें अपराधी कहा। कुछ ने धरती का बेटा। पर जंगलों में आज भी बूढ़े आदिवासी जब उनकी तस्वीर की ओर इशारा करते हैं तो बस एक शब्द कहते हैं धरती आबा (धरती का पिता)।

“ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन अत्यंत दुखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!जनजातीय समाज के उन्नयन में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। - **योगी आदित्यनाथ** मुख्यमंत्री उ.प्र.

आज मैं शून्य हो गया हूं : हेमंत

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का आज निधन हो गया। यह जानकारी उनके बेटे और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुद एक्स पर पोस्ट कर साझा की। उन्होंने लिखा कि आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं। राज्य सरकार ने तीन दिनों के राजकीय शोक का एलान किया है।

“ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, आदिवासी , वंचित समाज की बुलंद आवाज़, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन, अत्यंत दुःखद! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि ! - **अखिलेश यादव,** सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र.

पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में होगा अंतिम संस्कार

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर आज शाम छह बजे झारखंड लाया जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास पर लाया जाएगा। मंगलवार सुबह झामुमो के पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां जनप्रतिनिधि और अधिकारी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में किया जाएगा।

18 वर्ष की आयु से संघर्ष की शुरुआत

11 जनवरी 1944 को बिहार के दुमका जिले के निम्मी गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने उसी दिन से संघर्ष की शपथ ली थी जिस दिन उनके पिता सोबरन मांझी को ज़मींदारों ने मार डाला था। सोबरन मांझी ने जब जमीन पर अपनी दावेदारी जताई थी तो उस दावेदारी को व्यवस्था के खिलाफ उठने वाली आवाज़ मानते हुए उन्हें मार दिया गया था। कहते हैं उसी दिन से शिबू सोरेन की आंखों में जो आग भड़की वो फिर कभी बुझी नहीं। बहुत कम लोग जानते हैं कि शिबू सोरेन ने महज 18 साल की उम्र में आदिवासी अधिकारों की लड़ाई शुरू कर दी थी। 1969 में उन्होंने संजय संघर्ष समिति बनाई जो जल्दी ही झारखंड आंदोलन का बीज बन गई। उन्होंने आदिवासियों को बताया कि ये जंगल, ये ज़मीन, ये पानी उनका है किसी साहूकार या सरकारी बाबू का नहीं। इसी संघर्ष की तपिश में तपकर निकली पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा 1980 में बनी इस पार्टी ने झारखंड राज्य के लिए निर्णायक आंदोलन चलाया। और तब तक चलाया जब तक 15 नवंबर 2000 को झारखंड एक स्वतंत्र राज्य नहीं बन गया।

“ झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से समस्त झारखंड और बिहार मर्माहत है। समस्त राष्ट्रीय जनता दल असह्य पीड़ा के इस पल में गुरु जी के परिजनों और समर्थकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता है। **-तेजस्वी**

“ दिशोम गुरु’ शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए संघर्षों के लिए वो सदैव स्मरण किए जाएंगे। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व शुभचिंतकों को यह दुख सहन करने की शक्ति दें। - **संबित पात्रा**

“ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों तथा शुभचिंतकों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। **- रवि किशन,** भाजपा सांसद

“ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन से अत्यंत दुखी हूं। झारखंड और आदिवासियों के अधिकारों और कल्याण के लिए उनका आजीवन समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। हार्दिक संवेदनाएं। **- सुप्रिया सुले**

“ झारखंड ने अपना महान सपूत खो दिया है। एक जीवन जो संघर्ष था, एक नाम जो आंदोलन बना दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी। उनकी विरासत हमारे विचारों, आंदोलनों और आत्मा में हमेशा जीवित रहेगी। विनम्र श्रद्धांजलि।- **दीपिका पांडेय, मंत्री**

जनजातीय समाज के अधिकारों की आवाज बने : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वरिष्ठतम नेताओं में से एक, शिबू सोरेन झारखंड के उन कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों विशेषरूप से जनजातीय समाज के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए आजीवन संघर्ष किया। वे हमेशा जमीन और जनता से जुड़े रहे।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षक थे : मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं। उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया। मैंने उनके सुपुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात कर उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों का सशक्तिकरण किया : लालू

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए हमारे संयुक्त संघर्षों की स्मृतियों का जिक्र किया। लालू ने कहा, हमारे संघर्षों के साथी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके साथ किए गए संघर्षों से मेरी कई यादें जुड़ी हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दुख की घड़ी में पूरा राजदल परिवार गुरु जी के परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

“ झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक एवं आदिवासी समाज के जाने-माने दिग्गज नेता शिबू सोरेन का आज इलाज के दौरान निधन हो जाने की खबर अति दुखद। उनके पुत्र तथा वर्तमान में झारखण्ड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन व उनके परिवार के साथ-साथ उनके समस्त समर्थकों एवं अनुयाइयों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।

-बसपा सुप्रीमो मायावती

भाजपा हमेशा के लिए चली जाएगी : अखिलेश

» सपा विधायक पर मुकदमा दर्ज होने के बाद भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक डॉ. आरके वर्मा और उनके दो सहयोगियों सहित अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने पर सपा मुखिया अखिलेश यादव आग बबूला हो गए हैं। उन्होंने भाजपा पर जमकर फटकारा। सपा प्रमुख ने नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा हमेशा के लिए जाएगी।

सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट में अखिलेश यादव ने लिखा है कि पढ़ाई के लिए तो एफआईआर अंग्रेजों तक ने नहीं की थी। भाजपा का शिक्षा विरोधी चेहरा अब जनता के सामने उजागर हो गया है। अब भाजपा हमेशा के लिए जाएगी। सपा विधायक और उनके सहयोगियों पर दर्ज मुकदमे की सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निंदा की है। दरअसल एक अगस्त को गौरा खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार दूबे ने प्राथमिक विद्यालय नरायनपुर द्वितीय का ताला तोड़कर पीडीए कार्यक्रम आयोजित करने का आरोप लगाते हुए रानीगंज विधायक डॉ. आरके वर्मा समेत तीन के खिलाफ फतनपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। विभागीय नियमों का पालन न करने पर बीएसए भूपेंद्र सिंह ने प्रधानाध्यापक बृजेश सिंह को निलंबित करते हुए शिक्षामित्र और खंड शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सपा विधायक पर मुकदमा दर्ज होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है।

ए फॉर अखिलेश बोलने में गलत क्या : रामगोपाल यादव

ए फॉर अखिलेश, बी फॉर बाबासाहेब और पीडीए पाठशाला विवाद को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता फरहाद आलम के खिलाफ एफआईआर होने के बाद सपा सांसद राम गोपाल यादव का बयान सामने आया है। राम गोपाल यादव ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में अज्ञानी और छोटी मानसिकता वाले लोग सत्ता में बैठते हैं, तो ऐसी चीजें रोज होती हैं। आगे कहा कि अगर बच्चे शब्दों को एक तरीके से सीख सकते हैं, तो यह पढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है। वह इसे सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ा रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम ए फॉर अखिलेश, बी फॉर बाबासाहेब पढ़ाते हैं, तो इसमें गलत क्या है? जिन्होंने एफआईआर दर्ज कराई है, उनके खिलाफ उनके अधिकारों के दुरुपयोग के लिए एफआईआर दर्ज होगी।

■ **डिम्पल यादव के पहनावे पर जमाल सिद्दीकी की विवादित टिप्पणी को बेनीवाल ने बताया निंदनीय:** भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी की सांसद डिम्पल यादव पर गंभीर और विवादित टिप्पणी की है। सिद्दीकी के इस बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह भाजपा नेताओं की हताशा है, क्योंकि उन्हें अपनी हार साफ नजर आ रही है। डिम्पल यादव एक सभ्य महिला हैं और संस्कारित परिवार से आती हैं। किसी भी महिला पर इस प्रकार की टिप्पणी करना बेहद निंदनीय है।

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष सरकार को घेरेगा : वेणुगोपाल

» 7 अगस्त को दिल्ली में इंडिया की बैठक

» बंगलूरू में बड़ा खुलासा करने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर हमलावर है। बिहार में चुनाव से पहले आयोग की इस प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस से लेकर राजद तक, सभी विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं। संसद के अंदर और बाहर विपक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहा है। राज्यों में भी इसे लेकर विपक्ष का हल्लाबोल जारी है।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, 7 अगस्त को दिल्ली में एक बैठक होगी। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता वहां मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम संसद के अंदर और बाहर स्ट्रक्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। चुनाव आयोग इस देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को सुनियोजित तरीके से निशाना बना रहा है। हमें चुनाव आयोग से निष्पक्षता की उम्मीद थी, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। बिहार में कई मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। ऐसे में निष्पक्ष लोकतंत्र कैसे चल सकता है? हम 5 अगस्त को बंगलूरू में चुनाव आयोग की गंभीर गड़बड़ियों का खुलासा करने जा रहे हैं। इससे पहले बिहार में एसआईआर को लेकर बवाल मचा हुआ है। जहां हाल ही में चुनाव आयोग ने प्रक्रिया को पूरा कर मसौदा मतदाता सूची तैयार की है। इस दौरान करीब 65 लाख नाम मतदाता सूची से काटे जाने की बात सामने आई है। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपना नाम भी मतदाता सूची में न होने की बात कही थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने सबूत के साथ इसका खंडन कर दिया था। इस बीच तेजस्वी के आरोप पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सिर्फ झूठ बोलते हैं और भ्रम फैलाते हैं।

मतदाता सूची से नाम हटाने का कारण क्यों छुपा रही सरकार : तेजस्वी यादव

» राजद नेता ने चुनाव आयोग से पूछे 10 सवाल

» कहा- आयोग के षड्यंत्र का विरोध करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव फिर से चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। उन्होंने पहले तो मतदाता सूची में अपना नाम नहीं होने का आरोप लगाया। इसके बाद जब चुनाव आयोग ने उनके दावों को खारिज कर दिया तो तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से 10 सवाल पूछे और कुछ मांगें भी रखी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र में हर मतदाता की उपस्थिति और अधिकार की गारंटी सर्वोपरि है। यदि मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं और उसके पीछे का कारण छुपाया जा रहा है, तो यह गंभीर लोकतांत्रिक संकट है और जनता के मताधिकार पर सीधा हमला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद इस षड्यंत्र का सक्रिय विरोध करेगा और हर मंच पर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करेगा। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि चुनाव आयोग ने जिन 65 लाख मतदाताओं के नाम विलोपित किए है उससे संबंधित हमारे कुछ वाजिब एवं तार्किक सवाल है। क्या चुनाव आयोग इसका बिंदुवार जवाब देगा? इन 65 लाख मतदाताओं को मृत, स्थानांतरित या अनुपस्थित घोषित करने का आधार क्या है? मृतक मतदाताओं के परिजनों से कौन सा दस्तावेज लिया जिसके आधार पर उनकी मौत की पुष्टि हुई? क्या बीएलओ ने भौतिक सत्यापन के बाद मतदाताओं को एक्नॉलेजमेंट स्लिप या कोई रसीद प्राप्ति अथवा पावती दी थी?सम्पूर्ण बिहार में कितने प्रतिशत मतदाताओं को एक्नॉलेजमेंट स्लिप दी गई?

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी की मांग

निर्वाचन आयोग तत्काल उन सभी मतदाताओं की सूची कारण सहित बूथवार उपलब्ध कराए जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं है।मृतक, शिफ्टेड, रिपीटेड और अनट्रेसेबल मतदाताओं की विधानसभा वार, बूथ वार श्रेणीबद्ध सूची सार्वजनिक की जाए।जब तक यह पारदर्शिता बहाल नहीं होती, तब तक ड्राफ्ट मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए। चुनाव आयोग ने इसके लिए केवल 7 दिन का समय दिया है। हमारा विनम्र आग्रह है कि सर्वोच्च न्यायालय को इस विषय पर स्वतः संज्ञान लेकर निर्वाचन आयोग से विस्तृत स्पष्टीकरण लेना चाहिए।

तेजस्वी यादव भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे : शाहनवाज

इधर, नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सैयद शहनवाज हुसैन ने कहा कि तेजस्वी यादव को यह समझ आ गया है कि वह इस चुनाव में जीतने वाले नहीं हैं, इसलिए वह चुनाव आयोग के बारे में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने पहले भी भ्रम फैलाने की कोशिश की और आज भी की। उन्होंने यह कहकर भ्रम पैदा करने की कोशिश की कि उनका नाम (मतदाता) सूची में नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग ने उनकी बात को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि उनका नाम वहां है। राहुल गांधी चुनाव आयोग के खिलाफ परमाणु बम की बात कर रहे थे, तो क्या यही उनका परमाणु बम था?

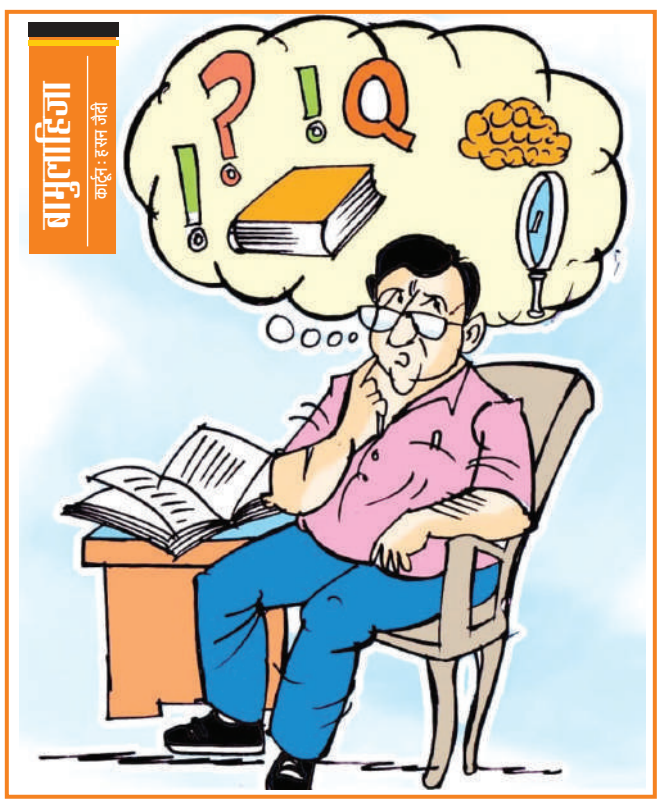

भारत कांग्रेस की वजह से एकजुट रहा है : शिवकुमार

» बोले कर्नाटक के डिप्टी सीएम- हममें से कुछ लोग सत्ता साझा करने पर भी सहमत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने एक कार्यक्रम में गांधी परिवार की जमकर तारीफ की और साथ ही कांग्रेस पार्टी में अपने लंबे कार्यकाल और कर्नाटक में पार्टी को सत्ता में लाने के अपने प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

'संवैधानिक चुनौतिया परिप्रेक्ष्य और रास्ते विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय विधिक सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत कांग्रेस की वजह से एकजुट रहा है और गांधी परिवार ने पार्टी को एकजुट रखा है। साथ ही उन्होंने राजनीति में सत्ता के बंटवारे को लेकर एक दिलचस्प टिप्पणी की। एआईसीसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शिवकुमार ने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए सोनिया गांधी द्वारा किए गए ''त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा, जब राष्ट्रपति ने सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के लिए कहा, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए सत्ता महत्वपूर्ण नहीं है,उन्होंने तय किया कि एक सिख, एक अल्पसंख्यक और एक अर्थशास्त्री देश को बचा सकता है और उन्हें प्रधानमंत्री बनना चाहिए।

उपराष्ट्रपति चुनाव पर लगेगा सियासी दांव

चुनाव आयोग ने चुनाव की तारीखों का किया एलान

- धनखड़ के इस्तीफे से खाली हुई सीट
- एनडीए ने शुरू की प्रत्याशी की खोज
- विपक्ष भी बना रहा है रणनीति
- 21 जुलाई को धनखड़ ने दिया था इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है। चुनाव 9 सितंबर को होने हैं। आपको बता दें जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद से भारत के उपराष्ट्रपति का पद खाली है। धनखड़ ने बीते महीने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उनके इस्तीफे के 12वें दिन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उपराष्ट्रपति की चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। सीईसी ने बताया कि 9 अगस्त से नामांकन शुरू होंगे और ये 21 अगस्त तक चलेंगे। वहीं, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होगा और उसी दिन परिणाम आने की संभावना है।

सियासी गलियारें में इस पद के लिए गोट बिछने लगी। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कैंडिडेट ढूंढे जाने लगें हैं। भाजपा ,कांग्रेस से लेकर लगभग हर पार्टी अपने प्रत्याशी के लिए जोर आजमाईश करनेलगी हैं। अब जगदीप धनखड़ के बाद कौन उनके पद को संभालेगा। फिलहाल तो राज्यसभा के उपसभापति उनके इस पद को संभालेंगे। फिर उपराष्ट्रपति को चुनने की प्रक्रिया होगी। 21 जुलाई 2025 दिन सोमवार संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू हुई और शाम होते होते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस इस्तीफे में उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अब वो शायद इस पद को नहीं संभाल सकते हैं। उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक नहीं है। राष्ट्रपति को उन्होंने लेटर लिखा। उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके अलावा प्रधानमंत्री और मंत्रीपरिषद को भी उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे संसद के सभी माननीय सदस्यों ने जो स्नेह विश्वास और सम्मान दिया वो जीवनभर उनके हृदय में संचित रहेगा। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि अचानक उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया? क्योंकि राज्यसभा की कार्यवाही में उन्होंने सभा का संचालन भी किया और उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई वैसी बात नहीं लग रही थी। दूसरा बड़ा सवाल ये है कि अब जगदीप धनखड़ के बाद कौन उनके पद को संभालेगा। फिलहाल तो राज्यसभा के उपसभापति उनके इस पद को संभालेंगे। फिर उपराष्ट्रपति को चुनने की प्रक्रिया होगी।

कैसे चुना जाएगा उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों – लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों, जिनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं, से बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा होता है। राष्ट्रपति चुनाव के विपरीत, इसमें राज्य विधानसभाएँ भाग नहीं लेतीं। नई दिल्ली स्थित संसद भवन में, आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार, एकल संक्रमणीय मत के साथ गुप्त मतदान द्वारा मतदान होता है। प्रत्येक सांसद उम्मीदवारों को वरीयता क्रम में क्रमबद्ध करके वोट डालता है। सभी मतों का मूल्य समान होता है। निर्वाचित घोषित होने के लिए, एक उम्मीदवार को आवश्यक न्यूनतम मतों की संख्या – जिसे कोटा कहा जाता है – प्राप्त करनी होती है। इसकी गणना कुल वैध मतों की संख्या को दो से विभाजित करके और एक जोड़कर की जाती है (यदि कोई भिन्न हो, तो उसे छोड़ दिया जाता है)। यदि पहले चरण में कोई भी उम्मीदवार कोटा पार

नहीं करता है, तो सबसे कम प्रथम वरीयता वाले मतों वाले उम्मीदवार को हटा दिया जाता है, और उनके मत द्वितीय वरीयता के आधार पर शेष उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक कि एक उम्मीदवार कोटा पार नहीं कर लेता।

धनखड़ से पहले भी दे चुके हैं कई इस्तीफा

आपको बता दें कि अपने कार्यकाल के दौरान इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ पहले राजनेता नहीं है। उनके पहले वीवी गिरि ने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने तीन मई 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था। गिरि ने दो जुलाई 1969 को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ा। वो अपना कार्यकाल पूरा न कर पाने वाले पहले उपराष्ट्रपति थे। भैरों सिंह शेखावत ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) उम्मीदवार प्रतिभा पाटिल के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव में हारने के बाद 21 जुलाई 2007 को

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। उपराष्ट्रपति आर वेंकटरमन, शंकर दयाल शर्मा और केआर नारायणन ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन राष्ट्रपति चुने जाने के बाद।

सबसे बड़ा प्रश्न कौन होगा अगला उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति जगदीपधनखड़ के इस्तीफा देने के बाद सियासी गलियारों में अगले उपराष्ट्रपति के लिए कयासों का दौर शुरू हो गया। अमूमन पहले राष्ट्रपति का चुनाव होता था और बाद में उपराष्ट्रपति । लेकिन अब उपराष्ट्रपति पद का चुनाव दो साल पहले होगा। ऐसे में सवाल कि अब कौन? सरकार से जुड़े एक सीनियर नेता ने कहा कि धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के बाद अब यह बात तय हैं कि सरकार और पार्टी के स्तर तक इसका बढ़ा प्रभाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह तय मान कर चलें कि उपराष्ट्रपति संगठन या सरकार के अंदर से कोई सीनियर व्यक्ति ही बनेगा। साथ ही इस घटनाक्रम के बाद केंद्र सरकार में भी बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गयी। सूत्र के अनुसार अगर केंद्र सरकार के मंत्रियों में से ही किसी एक को यह जिम्मेदारी दी जाए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। हालांकि बीजेपी के पास खुद अपने दम पर संख्याबल नहीं है, ऐसे में नए उपराष्ट्रपति के लिए बीजेपी को खासकर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों को एक पिच पर लाना होगा।

उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्रता मानदंड

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए, कम से कम 35 वर्ष का होना चाहिए, राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के योग्य होना चाहिए और किसी भी संसदीय क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए। उन्हें राष्ट्रपति, राज्यपाल या मंत्री जैसे पदों को छोड़कर, केंद्र या राज्य सरकारों के अधीन किसी भी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

संविधान में कोई समयसीमा तय नहीं

राष्ट्रपति पद के लिए, संविधान के अनुसार रिक्त पद को छह महीने के भीतर भरना आवश्यक है। लेकिन उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसी कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है। केवल यह आवश्यक है कि पद रिक्त होने के बाद यथाशीघ्र चुनाव कराए जाएँ। चुनाव आयोग कार्यक्रम की घोषणा करेगा। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के तहत आयोजित किया जाता है। परंपरा के अनुसार, संसद के किसी भी सदन के महासचिव को बारी-बारी से निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया जाता है। आमतौर पर राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उनका पदभार उपराष्ट्रपति को मिलता है। यदि उपराष्ट्रपति का पद खाली है और राष्ट्रपति भी अनुपस्थित हैं यानी देश से कहीं बाहर हैं तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति का पदभार चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को दिया जाता है। इसकी मिसाल न्यायमूर्ति एम हिदायतुल्लाह हैं। 1969 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन का निधन हो गया तो उपराष्ट्रपति वीवी गिरी राष्ट्रपति बने, पर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए जब उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया तो करीब तीन हफ्ते के लिए भारत के मुख्य न्यायधीश एम हिदायतुल्लाह ने राष्ट्रपति का पदभार संभाला। संविधान में उपराष्ट्रपति का पद खाली होने पर कितने दिनों बाद जाना चाहिए, इस बारे में कोई समय-सीमा तय नहीं। सांसद, विधायक या राष्ट्रपति की तरह इस पद के लिए छह महीने की समयसीमा तय नहीं है। संविधान के मुताबिक, पद खाली होने पर शीघ्रातिशीघ्र राष्ट्रपति चुन लिया जाना चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

न्यायिक व्यवस्था में संवेदना भी जरूरी

ऐसे ही सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा जिस पीड़ा को उन्होंने झेला, उसकी भरपाई नहीं हो सकती।'यह टिप्पणी किसी साधारण मामले में नहीं, बल्कि एक आइपीएस अधिकारी पत्नी द्वारा अपने पति और उसके परिवार पर दर्ज किए गए झूठे आपराधिक मुकदमों के संदर्भ में की गई थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना को यौन शोषण में दोषी करार देने के बाद उसे सजा भी दे दी है। इस तरह से पीड़ितों को न्याय तो कम से कम मिला। ये या ऐसे कई न्यायिक फैसले आम आदमी को मजबूत करते हैं और उन्हें विश्वास देता है कि कानून देर से ही सही पर जो फैसला देता हैं वह न्यायसंगत होता है। मतलब यह की कानून एक हथियार ही नहीं संवेदना का भी काम करता है। ऐसे ही सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा'जिस पीड़ा को उन्होंने झेला, उसकी भरपाई नहीं हो सकती।'यह टिप्पणी किसी साधारण मामले में नहीं, बल्कि एक आइपीएस अधिकारी पत्नी द्वारा अपने पति और उसके परिवार पर दर्ज किए गए झूठे आपराधिक मुकदमों के संदर्भ में की गई थी। यह टिप्पणी न केवल उस पीड़ा की स्वीकारोक्ति है, जो झूठे आरोपों से गुजरने वाले व्यक्ति और उसके परिवार को होती है, बल्कि यह कानून और न्याय के बीच संतुलन के एक नए युग की दस्तक भी है। आइपीएस अधिकारी शिवांगी बंसल का विवाह 2016 में हुआ।

उनके पति साहिब बंसल हैं और एक बेटी भी है। 2018 में दोनों के बीच बढ़ती तनाव ने वैवाहिक जीवन को तनाव में बदल दिया और दोनों अलग रहने लगे। इस मामले की असाधारणता इस बात में थी कि पत्नी ने पति और उसके परिवार पर एक के बाद एक कुल 15 मुकदमे दर्ज कर दिए। इन मुकदमों के चलते पति को 109 और उसके पिता को 103 दिन जेल में बिताने पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने इस आधार पर स्पष्ट कहा कि इस मानसिक, सामाजिक और आर्थिक उत्पीड़न की कोई पूर्ति संभव नहीं। यह प्रकरण 2024 में बेंगलूरु के अतुल सुभाष की दर्दनाक घटना की याद दिलाता है, जिसमें 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल ने 24 पन्नों का सुसाइड नोट और वीडियो छोड़ते हुए कहा था कि उस पर झूठे मुकदमे लगाए गए थे। उसकी पत्नी के परिवार ने निजी रूप से मामले के निपटारे के लिए तीन करोड़ रुपये की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देना पड़ा कि आइपीएस अधिकारी अब भी अपने पद, रैंक या प्रभाव का पति या उसके परिवार के विरुद्ध दुरुपयोग नहीं करेंगी, न ही भविष्य में किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के प्रभाव का उपयोग इस उद्देश्य से करेंगी। इतना ही नहीं, पति और उसके परिजनों को पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की गई। यह निर्णय सिर्फ एक परिवार की सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता के संस्थागत दुरुपयोग को रोकने का संवैधानिक हस्तक्षेप भी है। न्यायपालिका ने इस मामले को साधारण तरीके से निपटाने के बजाय एक नैतिक समाधान भी प्रस्तावित किया। कोर्ट ने पत्नी को बिना शर्त सार्वजनिक माफीनामा विभिन्न मीडिया माध्यमों से प्रकाशित करने को कहा था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पिघलते ग्लेशियर व सिकुड़ते बादलों के खतरे

मुकुल व्यास

दुनिया के करोड़ों लोग स्वच्छ जल की आपूर्ति के लिए ग्लेशियरों पर निर्भर हैं। लेकिन ये महत्वपूर्ण जलस्रोत इस समय भारी दबाव में हैं। यदि वैश्विक तापमान अपने वर्तमान पथ पर जारी रहता है, तो दुनिया के 75 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के लुप्त होने का सिलसिला जारी रहेगा, भले ही आगे गर्मी और न बढ़े। ग्लेशियर मॉडल का उपयोग करके किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्तर पर तापमान को स्थिर करने से भी ग्लेशियरों का 40 प्रतिशत नुकसान होगा। अध्ययन का निष्कर्ष है कि यदि दुनिया का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है, जो वर्तमान जलवायु नीतियों के अनुरूप है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही बचेगा। लेकिन इस अध्ययन में आशा की एक किरण भी दिखाई देती है।

यदि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जा सका, जो पेरिस जलवायु समझौते का लक्ष्य है, तो तमाम ग्लेशियरों की बर्फ का लगभग आधा हिस्सा अब भी बचाया जा सकता है। दस देशों के 21 विज्ञानियों ने दुनिया भर के 2,00,000 से अधिक ग्लेशियरों के भविष्य का अनुमान लगाने के लिए आठ स्वतंत्र ग्लेशियर मॉडलों का उपयोग किया। इस अध्ययन में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर शामिल नहीं किए गए। विज्ञानियों ने अपने अध्ययन में वैश्विक तापमान के विभिन्न परिदृश्यों का परीक्षण किया। आज की वैश्विक गर्मी भी ग्लेशियरों के बड़े नुकसान का संकेत है। एक चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि अगर आज वैश्विक तापमान बढ़ना बंद हो जाता है, तो भी ग्लेशियर का नुकसान जारी रहेगा। पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर के वर्तमान वैश्विक तापमान पर लगभग 40 प्रतिशत ग्लेशियर बर्फ के पहले ही गायब होने का अनुमान लगाया जा चुका है। जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बेन मार्जियन ने कहा कि अध्ययन के परिणाम इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि वर्तमान जलवायु नीतियां भविष्य में ग्लेशियरों के आकार में निर्णायक भूमिका अदा करेंगी।

वैज्ञानिकों ने हर अतिरिक्त 0.1 डिग्री गर्मी पर वैश्विक ग्लेशियर द्रव्यमान में 2 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। अध्ययन में शामिल एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. हैरी जेकोलारी कहते हैं कि डिग्री का हर अंश मायने रखता है। आज हम जो विकल्प चुनते

हैं, वे सदियों तक प्रतिध्वनित होंगे। नए अध्ययन से जुड़ी वैज्ञानिक डॉ. लिलियन शूस्टर का कहना है कि ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के अच्छे संकेतक हैं। हम अपनी आंखों से देख सकते हैं कि ग्लेशियरों के पीछे हटने से जलवायु कैसे बदल रही है। हालांकि, उनका वर्तमान आकार पहले से हो चुके जलवायु परिवर्तन की भयावहता को बहुत कम करके आंकता है। ग्लेशियरों की स्थिति वास्तव में आज पहाड़ों में दिखाई देने वाली स्थिति से कहीं ज्यादा खराब है। ग्लेशियर के पीछे हटने से न केवल समुद्र के स्तर पर असर पड़ता है, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ग्लेशियर से संबंधित खतरों का जोखिम बढ़ता है और ग्लेशियर आधारित पर्यटन प्रभावित होता है। ये परिवर्तन जो पहले से ही कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहे हैं, वैश्विक जलवायु नीति के महत्व को रेखांकित करते हैं। यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष (2025) में एक महत्वपूर्ण योगदान है और दुनिया के ग्लेशियरों को बचाने के लिए वैश्विक जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति की दूसरी प्रणालियों को भी प्रभावित कर रही है। नासा के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि तेज गर्मी का असर बादलों पर भी दिखाई दे रहा है। पृथ्वी के लिए बादलों के आवरण का विशेष महत्व है। बादल न सिर्फ धरती की प्यास बुझाते हैं बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। लेकिन अब घने काले बादलों का क्षेत्र सिकुड़ने लगा है। इन बादलों को स्टॉर्म क्लाउड भी कहा जाता है। चिंता की बात यह है कि यह सिकुड़न अधिक सौर विकिरण को अंदर आने दे रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की हाल ही में गर्मी बढ़ने का यह सबसे बड़ा कारण है।

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों और भूमध्य रेखा तथा ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच के इलाकों में काले बादलों के क्षेत्र प्रति दशक 1.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक सिकुड़ गए हैं। ये क्षेत्र पहले बहुत अधिक मात्रा में सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित करते थे। बादलों के गायब होने से अधिक गर्मी पृथ्वी की सतह तक पहुंच रही है। ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के प्रोफेसर क्रिश्चियन जैकब ने कहा कि यह खोज स्पष्ट करती है कि पृथ्वी अब कितनी अतिरिक्त सौर ऊर्जा अवशोषित करती है।

शांति और दमन के बीच अमेरिकी राजनीति

शांति स्थापित करने में सक्षम शक्तियां एक साथ युद्ध में ईंधन और पानी दोनों डालने की राजनीति कर रही हैं। इस प्रकार, निकट भविष्य में स्थायी शांति आम फलस्तीनियों के लिए एक भ्रम ही है, हालांकि 'आशा के विरुद्ध आशा' रखने से आशा जीवित रहती है।

प्रो. सुखदेव सिंह

इस्राइल और फलस्तीन के बीच लगभग दो वर्षों से जारी युद्ध का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। यह संघर्ष हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए बर्बर हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 251 इस्राइली बंधक बनाए गए थे। इसके बाद गाजा में अब तक 70,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, पर न तो बंधक रिहा हुए हैं और न ही युद्ध रुका है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और इस्राइली मानवाधिकार संगठनों ने इसे 'नरसंहार' बताया है और युद्धविराम की मांग की है। वहीं, अमेरिका एक ओर शांति वार्ता की बात करता है, दूसरी ओर इस्राइल को हथियार भी उपलब्ध करा रहा है। कहा जा रहा है कि हमास शांति वार्ता प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर तीसरी बार अमेरिका जाकर भी बिना किसी युद्धविराम समझौते के लौट आए।

गौरतलब है कि इस दौरे के दौरान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया, लेकिन गाजा में युद्ध रोकने की दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि जहां ट्रम्प बार-बार शांति का आह्वान कर रहे हैं, वहीं नेतन्याहू खुलेआम अपनी शक्ति का प्रदर्शन यह कहकर कर रहे हैं कि इस्राइल केवल अपनी शर्तों पर ही शांति स्थापित करेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शांति वार्ता के दौरान गाज़ा स्थित एक खाद्य सहायता केंद्र से भोजन लेने गए सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी है। दरअसल, इस्राइली प्रधानमंत्री और उनकी दक्षिणपंथी (राइट विंग) विचारधारा की सरकार का एजेंडा इस क्षेत्र पर यहूदियों पर पूर्ण नियंत्रण का है। इसके अलावा, नेतन्याहू के लिए युद्ध, उनके खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर इस्राइल में चल रहे अदालती मुकदमे और चुनावों को टालने का एक हथियार है। अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारें गाजा में इस्राइली युद्ध को 'वैध आत्मरक्षा' बताकर और उसे युद्ध के हथियार मुहैया कराकर उसका समर्थन कर रही हैं।

वे नेतन्याहू के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी इस्राइली सरकार की युद्ध संबंधी कार्रवाइयों के विरुद्ध वैश्विक विरोध प्रदर्शनों को 'यहूदी-विरोधी' कहकर यहूदी धर्म को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। कहानी का दूसरा पहलू यह है कि गाज़ा में आईडीएफ सैनिक नियमित रूप से 'अरबों को मौत दो' और 'उनके गांव जला दो' जैसे नारे लगाते हैं लेकिन कोई भी उनकी निंदा नहीं करता है। इस क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने और युद्ध जारी रखने में अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारों और इस्राइल के भू-राजनीतिक और आर्थिक हित स्पष्ट हैं। कहानी का एक और पहलू है—'भूख को हथियार बनाना'।

पहले इस्राइल ने गाजा को संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता पूरी तरह से रोक दी थी; फिर मई के अंत में, अंतर्राष्ट्रीय निंदा के दबाव में, मानवीय सहायता वितरण के लिए इसने अमेरिकी निजी सुरक्षा कंपनियों की देखरेख में अमेरिका-इस्राइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) की स्थापना की, जो केवल चार स्थानों से सहायता वितरित करने वाली एकमात्र एजेंसी है, जबकि मार्च से पहले चार सौ से ज्यादा स्थानों से सहायता वितरित की जा रही थी। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ प्रणाली को 'अपर्याप्त रूप से सुरक्षित' और 'हत्या का मैदान' कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने गाज़ा में फलस्तीनी लोग सहायता नाकाबंदी को मानव निर्मित 'बड़े पैमाने पर भुखमरी' कहा है। 170 से अधिक गैर-सरकारी संगठनों ने जीएचएफ की खाद्य सहायता वितरण प्रणाली पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि इससे नागरिकों की मृत्यु और उनके ज़ख्मी होने का खतरा है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस्राइल और जीएचएफ पर फ़लस्तीनियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने हेतु भुखमरी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, एक साथ ही गाज़ा युद्ध की समाप्ति और शांति की बात भी कर रहे हैं, जबकि इस्राइल के 'फलस्तीनी नरसंहार' को 'आत्मरक्षा' बताकर उचित भी ठहरा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि शांति असंभव है; शांति इसलिए नहीं हो रही है क्योंकि गाज़ा में 'नरसंहार' युद्ध पर हावी शक्तिओं को किसी भी राजनीतिक या आर्थिक कीमत चुकाने का डर नहीं है। वास्तव में, यह युद्ध अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व और हथियारों की बिक्री के लिए अमेरिकी राजनीतिक अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है, मध्य पूर्व के संसाधनों और हथियारों के बाजार में अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम देशों की रुचि और हिस्सेदारी बनता है। शांति स्थापित करने में सक्षम शक्तियां एक साथ युद्ध में ईंधन और पानी दोनों डालने की राजनीति कर रही हैं। इस प्रकार, निकट भविष्य में स्थायी शांति आम फलस्तीनियों के लिए एक भ्रम ही है, हालांकि 'आशा के विरुद्ध आशा' रखने से आशा जीवित रहती है।

आलू का रस

हर भारतीय घर में आलू बड़ी ही आसानी से मिल जाता है। इसका इस्तेमाल सब्जी बनाने के साथ-साथ स्किन केयर में भी किया जाता है। दरअसल, आलू में पाए जाने वाले एंजाइम और विटामिन सी डार्क सर्कल को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले कच्चे आलुओं को कद्दूकस कर लें। अब इसे कॉटन के कपड़े में बांधकर उसका रस निकाल लें। रस निकालने के बाद इसे रुई की मदद से अपनी आंखों के नीचे अप्लाई करें। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को धो लें। हफ्ते में कम से कम 5 बार ऐसा करें और फिर इसका असर देखें।

डार्क सर्कल

के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आजकल की लाइफस्टाइल और खान-पान इतना बदल गया है कि उसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। कई-कई घंटों तक लोग मोबाइल यूज करते हैं और लैपटॉप पर काम करने की वजह से आंखे दुखने लगती है लेकिन रोजाना स्क्रीन टाइम बढ़ने का बुरा असर आंखों और स्किन पर पड़ता है, जिसके कारण आंखों के नीचे सूजन और काले घेरे यानी डार्क सर्कल की समस्या हो जाती है। आंखों के नीचे होने वाली सूजन और काले घेरे आपके चेहरे की सुंदरता को कम कर सकते हैं, लेकिन यदि शुरुआती दिनों में इन डार्क सर्कल पर ध्यान न दिया जाए तो ये इतना बढ़ जाते हैं, कि इसकी वजह से चेहरा भी अजीब दिखने लगता है। जिसे छिपाने के लिए लोग कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी करते हैं। लेकिन इन महंगे प्रोडक्ट का असर स्थाई नहीं होता है, मेकअप साफ होते हैं फिर से डार्क सर्कल दिखने लगते हैं। तो आप इस दिक्कत से निजात पाने के लिए इन तीन नुस्खों का प्रयोग कर सकते हैं। इन नुस्खों के इस्तेमाल के बाद एक महीने में आंखों के काले घेरे एकदम कम हो जाएंगे।

बादाम तेल और नारियल तेल की मसाज

ये दोनों तेल यदि आपके घर में मौजूद हैं तो इनके इस्तेमाल से डार्क सर्कल को कम करें। दरअसल, ये दोनों तेल त्वचा को पोषण देते हैं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करके डार्क सर्कल को कम करते हैं। इसका इस्तेमाल भी काफी आसान है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको सबसे पहले बराबर मात्रा में बादाम तेल और नारियल तेल मिक्स करना है। इसे बाद इस तेल से आंखों के नीचे हल्के हाथों से 5 मिनट मसाज करें। हर रात सोने से पहले इस तेल से मसाज करें और इसे ऐसे ही रातभर छोड़ दें। सुबह ठंडे पानी से धो लें। एक महीने में इसका असर दिखने लगेगा।

खीरा

यदि आप भी घरेलू नुस्खों की मदद से डार्क सर्कल को कम करना चाहते हैं तो उसके लिए खीरा आपकी मदद करेगा। खीरा हमारी स्किन के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद है। आपने देखा होगा कि पार्लर में भी आंखों पर खीरा रखा जाता है। दरअसल, खीरे में एंटीऑक्सिडेंट और ठंडक देने वाले तत्व होते हैं जो आंखों को आराम देते हैं और काले घेरों को कम करते हैं। आंखों की सूजन, पफीनेस और डार्क सर्कल को कम करने में मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको सबसे पहले खीरे को पतले स्लाइस में काटना है। अब इसे अपनी आंखों पर रख लेना है। कोशिश करें कि ये खीरा ठंडा हो, इससे आपकी आंखों को भी राहत मिलेगी। 20 मिनट के लिए दिन में दो बार ऐसा ही करें। इससे आंखों के नीचे आए काले घेरे खुद ब खुद कम हो जाएंगे।

हंसना मना है

इंटरव्यू में एचआर -अच्छा आपका नाम पप्पू है? पप्पू-जी, इस गोले पर पप्पू ही नाम है मेरा... एचआर-बढ़िया, आपके लिए पहला सवाल है जावा के चार वर्जन क्या है, पप्पू उत्साह में बोला-आपको तो पता ही होगा, एचआर-हां, पर मुझे आप से सुनना है...पप्पू-ये आपने अच्छी बात की है और मुझे गाने का भी शौक है... इंटरव्यूर-मतलब, पप्पू-मर जावा, मिट जावा, लूट जावा और सदके जावा... इतना सुनते ही एचआर बोला- बहुत बढ़िया अब आप सीधे घर जावा...

गिरा दूंगा हर वो दीवार जो...तेरे मेरे बीच में आएगी...क्योंकि मेरा एक दोस्त... जेसीबी चलाता है...

छात्र (भगवान से)-हजारों की किस्मत तेरे हाथ है, अगर पास करदे तो क्या बात है!

वकील- हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी- मेरा चश्मा कहां है संगीता? वकील- तो इसमें मारने वाली क्या बात थी? पत्नी- मेरा नाम रंजना है, पूरा कोर्ट खामोश।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा- क्यों टेंशन में हो? सरदार- यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

कहानी — हमेशा सीखते रहो

एक बार गांव के दो व्यक्तियों ने शहर जाकर पैसे कमाने का निर्णय लिया। शहर जाकर कुछ महीने इधर-उधर छोटा-मोटा काम कर दोनों ने कुछ पैसे जमा किये फिर उन पैसों से अपना-अपना व्यवसाय प्रारंभ किया दोनों का व्यवसाय चल पड़ा दो साल में ही दोनों ने अच्छी ख़ासी तरक्की कर ली। व्यवसाय को फलता-फूलता देख पहले व्यक्ति ने सोचा कि अब तो मेरा काम चल पड़ा है अब तो मैं तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला जाऊंगा लेकिन उसकी सोच के विपरीत व्यापारिक उतार-चढ़ाव के कारण उसे उस साल अत्यधिक घाटा हुआ। अब तक आसमान में उड़ रहा वह व्यक्ति यथार्थ के धरातल पर आ गिरा वह उन कारणों को तलाशने लगा, जिनकी वजह से उसका व्यापार बाजार की मार नहीं सह पाया सबसे पहले उसने उस दूसरे व्यक्ति के व्यवसाय की स्थिति का पता लगाया, जिसने उसके साथ ही व्यापार आरंभ किया था वह यह जानकर हैरान रह गया कि इस उतार-चढ़ाव और मंदी के दौर में भी उसका व्यवसाय मुनाफ़े में है। अगले ही दिन वह दूसरे व्यक्ति के पास पहुंचा। दूसरे व्यक्ति ने उसका खूब आदर-सत्कार किया और उसके आने का कारण पूछा। तब पहला व्यक्ति बोला, दोस्त! इस वर्ष मेरा व्यवसाय बाजार की मार नहीं झेल पाया। बहुत घाटा झेलना पड़ा। तुम भी तो इसी व्यवसाय में हो। तुमने ऐसा क्या किया कि इस उतार-चढ़ाव के दौर में भी तुमने मुनाफा कमाया? यह बात सुन दूसरा व्यक्ति बोला, भाई! मैं तो बस सीखता जा रहा हूं, अपनी गलती से भी और साथ ही दूसरों की गलतियों से भी। जो समस्या सामने आती है, उसमें से भी सीख लेता हूं। इसलिए जब दोबारा वैसी समस्या सामने आती है। तो उसका सामना अच्छे से कर पाता हूं और उसके कारण मुझे नुकसान नहीं उठाना पड़ता। बस ये सीखने की प्रवृत्ति ही है, जो मुझे जीवन में आगे बढ़ाती जा रही है। दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर पहले व्यक्ति को अपनी भूल का अहसास हुआ। सफलता के मद में वो अति-आत्मविश्वास से भर उठा था और सीखना छोड़ दिया था। वह यह प्रण कर वापस लौटा कि कभी सीखना नहीं छोड़ेगा उसके बाद उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ

कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क

बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह

कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या

रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। झंझटों से दूर रहें।

तुला

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर

किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी।

मीन

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

किंग खान को 33 साल के करियर में मिला पहला नेशनल अवॉर्ड

शाहरुख खान को 33 साल के करियर में पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। सुपरस्टार को एटली निर्देशित साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान में उनके शानदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। किंग खान ने ये सम्मान विक्रांत मैसी के साथ शेयर किया, जिन्हें विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल में उनकी भूमिका के लिए यह पुरस्कार मिला है।

वहीं नेशनल अवॉर्ड से नवाजे गए शाहरुख खान ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उनके हाथ पर प्लास्टर चढ़ा हुआ नजर आ रहा है। इस वीडियो में सुपरस्टार ने राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद भारत सरकार, जूरी, अपनी टीम,फैंस और फैमिली को थैंक्यू किया है।

प्रेस्टिजियस अवॉर्ड मिलने के बाद सुपरस्टार ने तहे दिल से आभार व्यक्त किया। अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल एक वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद। जूरी और इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्ट मिनिस्ट्री को थैंक्यू। इस सम्मान के लिए भारत सरकार का धन्यवाद। मुझ पर बरस रहे प्यार से अभिभूत हूं, आज सभी को आधा हग।

वीडियो में शाहरुख खान को यह कहते हुए सुना जा सकता है, कहने की जरूरत नहीं कि मैं ग्रेटिट्यूड और विनम्रता से अभिभूत हूं। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना एक ऐसा पल है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा। जूरी, अध्यक्ष और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने सोचा कि मैं इस सम्मान के योग्य हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपने सभी निर्देशकों और लेखकों को खासतौर पर साल 2023 के लिए थैंक्यू देना चाहता हूं। तो, शुक्रिया राजू सर, शुक्रिया सिड और खासकर एटली सर और उनकी टीम को उनकी फिल्म जवान में मुझे मौका देने और मुझ पर भरोसा करने के लिए कि मैं अच्छा परफॉर्म करूंगा और इस अवॉर्ड के लायक बनूंगा। एटली सर, यह वैसा ही है जैसा आप कहते हैं, मास मैं अपनी टीम और मैनेजमेंट को थैंक्यू देना चाहता हूं जो मेरे साथ हार्ड वर्क करते हैं। वे मेरे साथ, मेरे सनकीपन और बेसब्री को को सहन करते हैं और मुझे अपना पूरा ध्यान देते हैं और मुझे इस वीडियो में अभी की तुलना में बहुत बेहतर दिखाते हैं। शाहरुख खान ने अपनी फैमिली को थैंक्यू करते हुए कहा, यह पुरस्कार, उनकी दृढ़ता और प्यार के बिना, बिल्कुल भी संभव नहीं होता। आप जो कुछ भी करते हैं उसके लिए बहुत-बहुत थैंक्यू। मेरी पत्नी और बच्चे, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में मुझे इतना प्यार और केयर दी है जैसे कि मैं घर का बच्चा हूं और वे मेरे लिए सबसे अच्छा चाहते हैं।

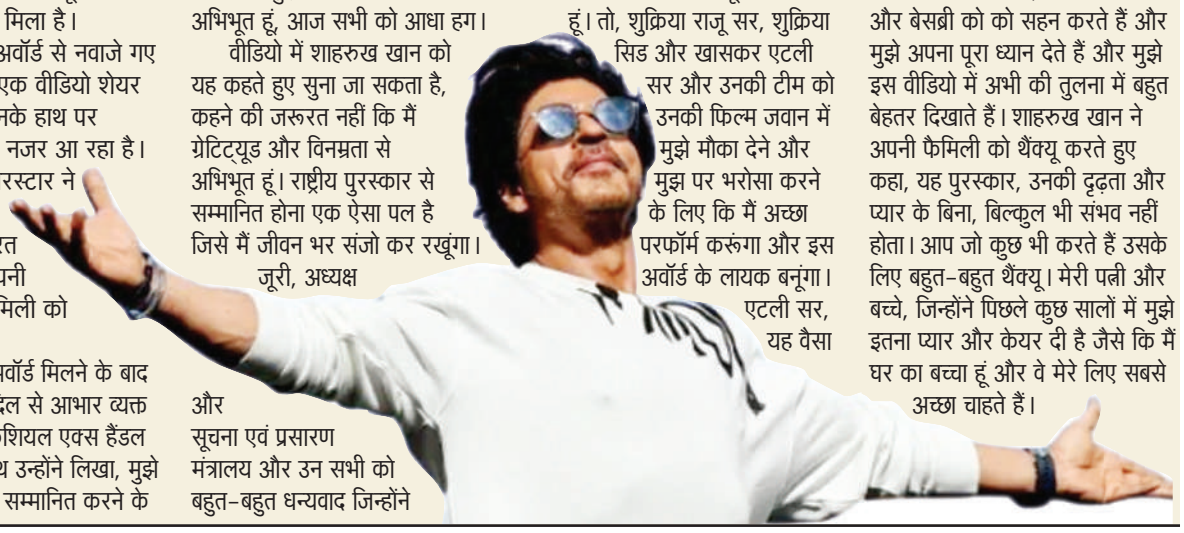

बॉलीवुड | मन की बात

शादी को कामयाब बनाने के लिए कपल्स को रोजाना ध्यान देना चाहिए : सोनाली

सोनाली बेंद्रे इन दिनों पति-पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं। एक इंटरव्यू में सोनाली से पूछा गया, वो आज के यंग कपल्स को क्या सलाह देना चाहेंगी? सोनाली ने कहा, आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं। सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा, मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है। बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है। उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बराबरी का मतलब हर छोटे काम में बराबरी नहीं बल्कि लंबे सफर में एक-दूसरे की इज्जत और परवाह सबसे जरूरी है। यानि शादी में हर चीज बराबर नहीं होती, लेकिन प्यार, सम्मान और सहयोग सबसे अहम होते हैं। सोनाली बेंद्रे मानती हैं कि इंटरनेट अपने साथ दुनिया और रिश्तों में बहुत बड़ा बदलाव लाया है।

करियर के पीक पर मैं शराबी हो गया था : जॉनी लीवर

जॉनी लीवर ने इंडस्ट्री में चालीस साल से ज्यादा बिताए हैं और उन्होंने अपनी इस फिल्मी जर्नी में कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। एक समय पर, वह बॉलीवुड के सबसे सक्सेफुल कॉमेडी कलाकारों में से एक थे। हाल ही में जॉनी लीवर ने एक बातचीत के दौरान खुलासा किया कि करियर के पीक पर उन्हें शराब की लत गई थी और और मुंबई के चौपाटी पर सुबह 4 बजे तक शराब पीते रहते थे।

17 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत करने वाले जॉनी ने तेज़ी से पॉपुलैरिटी हासिल की थी। छह साल के भीतर, वह घर-घर में मशहूर हो गए, और उनके अभिनय की सीडी अमेरिका में बिकने लगी थी। उन्होंने कई फिल्में साइन की थीं और दुनिया भर में कॉमेडी शो किए और अपने सपनों को जी रहे थे, लेकिन इसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी।

कॉमेडियन सपन वर्मा के यूट्यूब शो में अपनी बेटी जेमी के साथ पहुंचे जॉनी लीवर ने बताया कि कैसे सक्सेस ने उनकी हेल्थ और लाइफस्टाइल पर बुरा असर डालना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया, मैं बहुत थका हुआ रहता था। दिन में फिल्मों की शूटिंग करता और रात में शो में परफॉर्म करता। इसके अलावा, मैं बहुत ज़्यादा शराब पीता था। इससे मैं पूरी तरह थक जाता था। मैं बैकस्टेज ऐसे बैठा रहता जैसे शवासन में हूं। अपनी थकान के बावजूद, जॉनी ने कभी कोई कमिटमेंट मिस नहीं किया। उन्होंन कहा, मैं हमेशा अपनी परफॉर्मेंस देता था, चाहे मैं कितना भी थका हुआ महसूस करूं लेकिन शो के बाद, मुझमें कुछ भी नहीं बचता था।

इसके बाद उन्होंने अपने ऑडियंस को एक गंभीर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, मैं लोगों से रिक्वेस्ट करता हूं लिमिट में पियो। मैंने अपनी लिमिट पार कर ली है, और यह इसके लायक नहीं है। मैं शराबी था। मैं चौपाटी पर बैठकर सुबह 4 बजे तक पीता रहता था। कई बार पुलिस आती थी, लेकिन जब वे मुझे पहचान लेते थे, तो हंसते हुए कहते थे, अरे, जॉनी भाई और मुझे अपनी कार में बैठने देते थे ताकि मैं सेफली ड्रिंक कर सकूं।

घर वालों की इतनी बढ़ गयी है लंबाई कि नया घर बनाने को खर्च करना पड़ रहा है करोड़ों

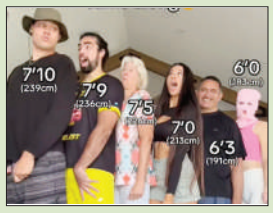

घर खरीदना किसका सपना नहीं होता है? यह हर एक के नसीब में नहीं होता है। दुनिया के हर देश में संपत्ति महंगी होती जा रही है। जहां बहुत से लोग घर चाह के भी खरीद नहीं सकते, वहीं कई लोग दुनिया में ऐसे भी होते हैं। जो घर तो खरीद सकते हैं, फिर भी चाहकर भी खरीद नहीं पाते हैं। कारण सीधा है जो घर बने होते हैं उनके लिए बिलकुल सही नहीं होते हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा में रहने वाले टेमेरा परिवार के साथ ऐसा ही है। कारण है उनकी लंबाई! इसी वजह से उन्हें नया घर बनावाने के लिए 11 अरब 53 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। जिससे ना तो उन्हें घर में बहुत ज्यादा झुककर निकलना पड़े ,ना ही उन्हें लेटने शॉवर लेने आदि में किसी तरह की परेशानी हो। जी हां टेमोरा परिवार की लंबाई उनके लिए मुसीबत बन गई है। सभी 6 फीट 3 इंच से लेकर 6 फीट 10 इंच लंबे हैं। यही वजह है कि परंपरागत घर में रहना मुश्किल हो जाता है। उनके लिए नहाना, दरवाजों से गुजरना और शॉवर लेना मुश्किल होता है। अब वे 10 करोड़ पाउंड, यानी 11 अरब 53 करोड़ रुपये में एक बड़ा घर बनाने जा रहे हैं। इस परिवार में मां क्रिस्टीन 6 फीट 5 इंच, पिता माइकल 6 फीट 3 इंच, और बेटी मैरी 6 फीट 3 इंच लंबी है। मैरी एक टिकटॉक मॉडल है। वह हर साल 7.5 करोड़ पाउंड, यानी 8 अरब 63 करोड़ रुपये कमाती है। उनके दो भाई भी बहुत लंबे हैं। ट्रॉय 6 फीट 10 इंच और शेन 6 फीट 9 इंच लंबे हैं। मैरी फ्लोरिडा में 1.5 करोड़ पाउंड यानी 1 अरब 73 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी में रहती है। उसके माता-पिता 50 लाख पाउंड, यानी 58 करोड़ के घर में रहते हैं। यह घर मैरी ने उन्हें खरीदा है। लेकिन ये घर उनके लिए छोटे हैं। वे इन घरों को तोड़कर एक नया बड़ा घर बनाना चाहते हैं। मैरी कहती हैं, हमारे घर बहुत छोटे हैं। छतें आठ फीट की हैं। हमें दरवाजों से गुजरते समय सिर झुकाना पड़ता है। वे नया घर बनाएंगे जहां छतें और दरवाजे बहुत ऊंचे होंगे। पहले उनके पास पैसे नहीं थे। मैरी के पिता बिजली मिस्त्री थे। वे सालाना 26,000 पाउंड कमाते थे. मां आपातकालीन ऑपरेटर थीं। उन्हें भी ज्यादा पैसे नहीं मिलते थे।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है कभी न मरने वाला पौधा

रेगिस्तान में हजारों सालों तक जिंदा रहता है यह पौधा

धरती पर जीवन के ऐसे कई अजूबे हैं, जो हमें हैरान कर देते हैं। लेकिन कुछ अजूबे ऐसे भी होते हैं, जिन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही एक वेलविचिया नाम का असाधारण पौधा है, जिसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरत में पड़ गए। यह पौधा ऐसा है मानो कभी न मरने वाला हो, क्योंकि यह रेगिस्तान के नरक जैसे हालातों में भी हजारों साल तक जिंदा रहता है और इसी कारण वैज्ञानिक भी चौंक गए! इसकी इसी अद्भुत शक्ति और जीवन के रहस्य को जानने के लिए वैज्ञानिक बरसों से शोध कर रहे हैं।

वेलविचिया का नाम ऑस्ट्रियाई वनस्पतिशास्त्री फ्रेडरिक वेलविच के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने इसे 1859 में अंगोला में खोजा था। अफ्रीकांस भाषा में इसे 'ट्वीब्लाअरकन्नीडूड' कहते हैं, जिसका सीधा सा अर्थ है दो पत्तियां जो मर नहीं सकतीं। यह नाम इस पौधे के लिए बिल्कुल सटीक है, क्योंकि यह अपने पूरे जीवनकाल में सिर्फ दो पत्तियां ही उगाता है और हजारों सालों तक दुनिया के सबसे पुराने रेगिस्तान में जीवित रहता है।

बता दें कि नामीब रेगिस्तान के कुछ हिस्सों में सालाना दो इंच से भी कम बारिश होती है। इसके बावजूद वेलविचिया नाम का यह पौधा हजारों साल तक जीता है। ऐसा लगता है मानो यह अमर पौधा हो। लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है कि इतने कम पानी में भी यह जीवित रहता है? तो बता दें कि

सारा क्रेडिट इसके बेहद कुशल और कम लागत वाले जीनोम को जाता है। यह दिखने में शायद बहुत खूबसूरत न लगे, लेकिन इसकी दो रेशेदार पत्तियां समय के साथ फटकर मुड़ जाती हैं।

वेलविचिया की मुश्किलों में टिके रहने की क्षमता ने वैज्ञानिकों को हमेशा चौंकाया है। इस पौधे के दुनिया के कुछ सबसे पुराने नमूने 3,000 साल पहले के हैं, जो लौह युग की शुरुआत से जुड़े हैं और ज्यादातर पौधे 1,000 साल से भी ज्यादा जीते हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन में वेलविचिया के जीनोम का विश्लेषण किया गया, ताकि यह पता चल सके कि यह नामीब रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों में इतनी अच्छी तरह से कैसे पनपता है। इस रिसर्च से सामने आया कि पौधे ने लाखों सालों में इन कठोर हालातों के हिसाब से खुद को ढाल लिया है और इसके जीनोम में बड़े बदलाव हुए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, लगभग 86 मिलियन साल पहले जब सूखा और शुष्कता बहुत बढ़ गई, तब एक कोशिका विभाजन त्रुटि के कारण वेलविचिया का पूरा जीनोम दोगुना हो गया। वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि वेलविचिया के जीनोम का एक बड़ा हिस्सा कबाड़ वाला स्वयं-प्रतिकृति डीएनए है, जिसे रेट्रोट्रांसपोसॉन कहते हैं। लगभग दो मिलियन साल पहले एक आनुवंशिक बदलाव के कारण डीएनए मिथाइलेशन नामक प्रक्रिया से ये सभी कबाड़ डीएनए सीक्वेंस शांत हो गए। फिर कुछ छोटे आनुवंशिक फेरबदल ने इस पौधे को कम लागत वाले जीव में बदल दिया।

पौधे के जीवविज्ञानी डॉ। जेम्स एच। लीबेंस-मैक ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, जब हम देखते हैं कि यह पौधा इतने लंबे समय तक इस वातावरण में रहने और अपने डीएनए और अपने प्रोटीन को संरक्षित करने में सक्षम है, तो मुझे वास्तव में लगता है कि हम कृषि में सुधार कैसे करें, इसके लिए संकेत पा सकते हैं। वेलविचिया असल में 100 मिलियन साल पुराना एक पौधा जीवाश्म है, जिसने पृथ्वी के सबसे दुर्गम स्थानों में से एक में खुद को ढालकर फलता-फूलता रखा। यह देखने में भले ही बहुत खास न लगे, लेकिन इसकी लचीलापन और इसमें छिपे रहस्य यकीनन तारीफ के काबिल हैं।

टैब की जगह हरियाणा में बांटे गए खिलौने : हुड्डा

स्कूलों में आवंटित किए गए टैब पर उठे सवाल

» सैनी सरकार पर कांग्रेस ने किया तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा सरकार सिर्फ कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी स्कूलों को बंद कर सकती है, ना कि कोई नया स्कूल या नई योजना शुरू कर सकती है। अगर गलती से इस सरकार ने कोई योजना शुरू भी कर दी, तो खुद ही उसका बंटाधार कर डाला। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा इस सरकार की स्कूलों में टैब बांटने वाली योजना पर टिप्पणी कर रहे थे। हुड्डा ने कहा कि तकरीबन 700 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई स्कूलों में टैब योजना सिम और बिना इंटरनेट के अप्रैल महीने से बंद होने के कारण सिर्फ खिलौना बनकर रह गया हैं।

खबरें यहां तक सामने आ रही हैं कि यह सरकार अपनी ही योजना को बंद करने जा रही है। भाजपा सरकार पहले ही कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब, एससी व ओबीसी बच्चों को दी जानी वाली वजीफा योजना को लगभग समाप्त कर चुकी है। सरकार ने आयुष्मान योजना, सलूक फसल बीमा योजना और कौशल रोजगार निगम को मजाक बनाकर रख दिया है। 2025-26 के बजट में बगैर कलेक्टर रेट वृद्धि के 16,555 करोड़ कमाने का लक्ष्य था तो क्या 25 फीसदी कलेक्टर रेट वृद्धि के बाद यह राशि 4,139 करोड़ नहीं बनती? क्या हाल में सरकार ने बजरी, रोड़ी, रेत के दाम नहीं बढ़ाए?कलेक्टर रेट में 5 साल में 200 से 300 फीसदी वृद्धि नहीं हुई?

हरियाणा में कलेक्टर रेट वृद्धि से जनता पर बढ़ेगा बोझ : सुरजेवाला

एक्साइज माफिया में गठजोड़

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने दावा किया है कि कलेक्टर रेट बढ़ने से प्रदेश की जनता पर पांच हजार करोड़ रुपये का बोझ बढ़ा है। सरकार ने पांच वर्ष में 50 फीसदी से लेकर 250 फीसदी तक कलेक्टर रेट बढ़ाए हैं। चंडीगढ़ सेक्टर-9 स्थित कांग्रेस दफ्तर में रविवार को प्रेसवार्ता में सुरजेवाला ने कलेक्टर रेट पर सरकार को घेरते हुए 10 सवाल भी पूछे। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने जनता से वादा किया था कि एक वर्ष में एक ही बार कलेक्टर रेट बढ़ाए जाएंगे लेकिन जनता से बिना किसी संवाद या चर्चा और बगैर मापदंडों के तर्कपूर्ण आधार के आठ महीने में दूसरी बार प्रदेश में कलेक्टर रेट बढ़ा दिए गए हैं। सुरजेवाला ने कहा कि एक तरफ सरकार ने 2025-26 के बजट में स्टांप ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन फीस से 16,555 करोड़ कमाने का लक्ष्य रखा है। वहीं 2024-25 में यह 14,000 करोड़ था। अब एक्साइज माफिया से गठजोड़ के चलते शराब ठेकों से होने वाली राजस्व हानि को भी पूरा करने के लिए आनन-फानन में कलेक्टर रेट बढ़ाकर स्टांप ड्यूटी से पैसा कमाया जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा कि कलेक्टर रेट बढ़ाने के पीछे सरकार और बिल्डर्स का गठजोड़ भी है। अधिकांश भाजपाई और उनके लोग दीनदयाल आवास योजना के नाम पर डेवलपर व बिल्डर बने हुए हैं।

शिक्षा ही एकमात्र हथियार जो तानाशाही से निजात दिलाएगा : कमल हासन

» एमएनएम नेता बोले- सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अभिनेता और राज्यसभा सदस्य कमल हासन ने कहा है कि शिक्षा ही एकमात्र हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकती है। मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) नेता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब महाराष्ट्र के एक पूर्व मंत्री ने भी जातिगत अत्याचारों के लिए सनातन धर्म को जिम्मेदार ठहराया और उसके और हिंदू धर्म के बीच अंतर करने की कोशिश की। एनसीपी-एसपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा, सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। हासन ने अपने भाषण में कहा कि अपने हाथ में कुछ और मत लो, सिर्फ शिक्षा लो। इसके बिना हम जीत नहीं सकते, क्योंकि बहुमत तुम्हें हरा सकता है।

ज्यादातर मूर्ख तुम्हें हरा देंगे... इसलिए हमें इसे (शिक्षा को) मजबूती से थामे रखना चाहिए। हासन ने आगे कहा कि 2017 में मेडिकल शिक्षा में दाखिले के लिए नीट की शुरुआत ने कई छात्रों के लिए अवसरों को कम कर दिया है। सांसद ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अगरम फाउंडेशन के काम के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री से कहा कि एनजीओ पैसे जैसी कोई चीज़ नहीं मांग रहे हैं - वे सिर्फ़ काम करने की इजाज़त मांग रहे हैं। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। मुझे इस काम में शामिल होने पर गर्व है।

केंद्र सरकार बंगाली विरोधी: ममता

» दिल्ली पुलिस के पत्र पर भड़कीं बंगाल सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी ने दिल्ली पुलिस पर बांग्ला को कथित तौर पर बांग्लादेशी कहने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र पर बंगाली भाषी लोगों का अपमान और अपमान करने के लिए संविधान-विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। तृणमूल प्रमुख ने कथित तौर पर लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन द्वारा लिखा गया एक पत्र साझा किया, जो दिल्ली के बंग भवन को संबोधित था और जिसकी विषय पंक्ति थी, बांग्लादेशी भाषा में लिखे गए दस्तावेजों का अनुवाद।

ममता ने आरोप लगाया कि यह अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है। ममता ने पत्र की एक प्रति साझा करते हुए अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, देखिए, अब कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बांग्ला को 'बांग्लादेशी' बता रही है।

टीएमसी अवैध बांग्लादेशी को बचाने की कोशिश कर रही: सुमिक भट्टाचार्य

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुमिक भट्टाचार्य ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को उचित ठहराया और कहा कि पश्चिम बंगाल में बोली और लिखी जाने वाली बांग्ला और बांग्लादेश की बोली में अंतर है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का बचाव करने की कोशिश कर रही है जो उर्दू से प्रभावित बांग्ला बोलते हैं। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता पर वोट बैंक की राजनीति के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके एक्स पोस्ट को एक बुरी तरह से रची गई राजनीतिक चाल बताया।

सुर्य कुमार पांडेय विम्ब के मुख्य संरक्षक बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जाने-माने साहित्कार व कवि सुर्य कुमार पांडेय विम्ब के मुख्य संरक्षक बनाए गए हैं। यह जानकारी विम्ब के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश अरोरा शलभ ने दी। इससे पहले 45 वर्षों से सक्रिय विम्ब संस्था की बैठक गोमती होटल में हुई।

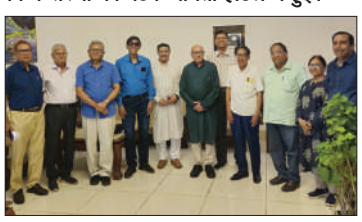

बता दें ये पद व्यंगकार गोपाल चतुर्वेदी के निधन से रिक्त हुई थी। उन्होंने इस अवसर मुख्य संरक्षक का स्वागत किया। संस्था के महासचिव महेश पांडये ने आगामी योगजनाओं की जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता साहित्यकार श्याम मिश्रा ने की।

भोले बाबा ने नगर भ्रमण कर लोगों को दिया आर्शिवाद

» अंतिम सोमवार को मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्रावण मास में महाकाल के तर्ज पर श्री राम जानकी मंदिर बड़ा चांद गंज के भोले बाबा नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान नगरवासियों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। इस बीच हर हर महादेव के नारे लगे, ढोल नगाड़े और डीजे बैंड पर श्रद्धालु जमकर झूमे।

इस यात्रा में पं. गोपालजी शुक्ला,अतुल मिश्रा, सुनील शंखधर, विजय गुप्ता,राजकुमार शर्मा,कृष्णा शुक्ला, राहुल वर्मा, अंकित मिश्रा समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उधर सावन के अंतिम सोमवार के दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर का जलाभिषेक किया।

डॉन, सोबर्स और गावस्कर की लिस्ट में गिल शामिल

» एक टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले बने आठवें कप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे शुभमन गिल ने हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ 2025 की टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान उन्होंने बल्ले से जो कमाल किया, उसने उन्हें न सिर्फ भारतीय क्रिकेट का नायक बनाया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी नई ऊंचाई दी। इस सीरीज में उन्होंने कुल 754 रन बनाए, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट सीरीज में दूसरा सर्वाधिक स्कोर है।

गिल ने टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले कप्तानों की खास लिस्ट में भी जगह बनाई। वह डॉन ब्रैडमैन, गारफील्ड सोबर्स, ग्रेग चैपल, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, ग्राहम गूच और ग्रेम स्मिथ के बाद ऐसा करने वाले आठवें कप्तान बने। शुभमन गिल ने टेस्ट सीरीज में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की लिस्ट में भी जगह बनाई। गिल ने गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। विदेशी कप्तान के तौर पर गिल के 754 रन, सोबर्स के 722 रन से ज्यादा हैं। इतना ही नहीं, वे इंग्लैंड में पहले विदेशी कप्तान बने जिन्होंने एक ही टेस्ट सीरीज में चार शतक लगाए हों। वह तीसरे भारतीय हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में चार शतक जड़े हैं। बर्मिंघम टेस्ट में गिल ने 269 और 161 रन की पारियां खेलीं थीं यानी उन्होंने उस टेस्ट में कुल 430 रन बनाए थे। यह टेस्ट इतिहास में किसी भी बल्लेबाज का एक ही मैच में दूसरा सबसे बड़ा योगदान है।

एक सीरीज में पांच भारतीयों ने बनाए 400+ रन

भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। टीम इंडिया 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन, केएल राहुल 532 रन, रवींद्र जडेजा 516 रन, ऋषभ पंत ने सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर मचा घमासान

कांग्रेस सांसद की चेन लूटकर भागे बदमाश

आप समेत पूरे विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा

» मॉर्निंग वॉक के दौरान आर सुधा के साथ हुई वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के हाई सिक्योरिटी जोन में महिला कांग्रेस सांसद लूट की शिकार हो गई। इसको लेकर विपक्ष ने एनडीए की डबल इंजन सरकार पर तीखा प्रहार किया है। बता दें दिल्ली में सोमवार (4 अगस्त) की सुबह मॉर्निंग वॉक करते समय महिला कांग्रेस सांसद लूट की वारदात की शिकार हो गईं। तमिलनाडु की सांसद आर सुधा तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर निकली थीं, जब कुछ बदमाशों ने उनकी सोने की चेन लूट ली और मौके से भाग निकले। सांसद ने खुद को बचाने की कोशिश की। संघर्ष में उन्हें कई चोटें आई हैं। इस वारदात के बाद से दिल्ली में लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

सांसद आर. सुधा ने अमित शाह को लिखा पत्र

फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. दूसरी ओर, विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने रेखा गुप्ता सरकार से सवाल करने भी शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस सांसद ने खुद गृहमंत्री अमित शाह को अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी है। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई लोकसभा क्षेत्र से सांसद आर. सुधा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। उन्होंने इस पत्र के जरिए बताया है कि आज सुबह चाणक्यपुरी इलाके में पोलैंड दूतावास के पास उनकी सोने की चेन छीन ली गई. इस घटना में उन्हें कई जगह चोटें आई हैं। महिला सांसद ने गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि अधिकारियों को अपराधी का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के निर्देश दें।

दिल्ली में ऐसी वारदातें आम बात : सौरभ भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर एक लंबा पोस्ट करते हुए दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, दिल्ली में ये कोई नई बात नहीं है। दिल्ली में चेन, मोबाइल स्नैचिंग इतना आम हो गया है कि लोग अब एफआईआर भी नहीं दर्ज करवाते उन्हें पता कि उनका समय ही व्यर्थ होगा। सौरभ भारद्वाज ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि दिल्ली में महिला सांसद के साथ सुबह 6.00 बजे चेन स्नैचिंग की वारदात हुई है। आप नेता ने आगे कहा कि इसमें पूरा दोष पुलिस का नहीं है। दिल्ली पुलिस में हज़ारों पद खाली पड़े हैं और सरकार भर्तियां नहीं करना चाहती। जो हैं भी वो वीआईपी सिक्योरिटी और आम आदमी पार्टी के लोगों को फंसाने में व्यस्त हैं। पुलिस का राजनीतिकरण हो चुका है. उनका आकलन काम से नहीं, राजनैतिक कार्यों से किया जाता है. उसी आधार पर पोस्टिंग दी जाती है। सौरभ भारद्वाज ने आगे लिखा कि दिल्ली की महिलाएं अब मॉर्निंग वॉक पर चेन पहन कर नहीं निकलतीं। बहुत सावधान रहती हैं, क्योंकि उनका मानना है कि चैन से जीना है तो चेन घर रखिये। ये तमिलनाडु से हैं, इसलिए इनको पुलिस व्यवस्था का अंदाजा नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को दिए निर्देश

» संसद में अपनी बात कहें विपक्ष के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एक जिले की अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक भी लगा दी। बता दें कि इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 29 मई को राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी।

उत्तर प्रदेश में चारों तरफ पानी ही पानी

जानलेवा बनी बारिश नौ से ज्यादा की मौत

» आज 46 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मानूसन पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश में नदियों से सटे हुए 17 जिलों में बारिश का कहर है। अलग-अलग जिलों में बारिश की वजह से नौ से ज्यादा मौतें हुईं। सोमवार की सुबह सीतापुर जिले में दीवार गिरने से दो किशोरियों की मौत हो गई। यह संख्या जोड़ लें तो 24 घंटे में प्रदेश में बारिश से 11 मौतें हो गई है। भारी बारिश को देखते हुए राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हालांकि बाढ़ को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य में बाढ़ की हालत बदतर है लोग जान गवां रहें हैं और सरकार सिर्फ बाते कर रही है। इसबीच ताकि राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। इसके लिए टीम-11 में शामिल मंत्रियों ने भी बाढ़ प्रभावित जिलों का निरीक्षण किया। आज के लिए प्रदेश के तराई और आगरा मंडल के 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 31 अन्य जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है और 64 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। आज तराई व आगरा क्षेत्र में भारी बारिश के आसार हैं। लखनऊ में 50 घंटे से झमाझम बारिश हो रही है। लखनऊ में 34.7 मिमी बारिश हुई। इससे इस साल एक दिन में हुई बारिश का रिकार्ड बन गया।

कई शहरों में स्कूल हुए बंद

नगर आयुक्त ने की नागरिकों से अपील

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने लखनऊ शहर के नागरिकों से अपील की है कि वे भीषण वर्षा के कारण घर से बाहर निकलने से बचें और अपरिहार्य स्थितियों में ही घर से बाहर निकलें। उन्होंने विशेष रूप से बिजली के खंभों, प्रकाश वाले पोलों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है। बिजली के खंभों और पोलों से दूर रहें- बिजली के खंभों और पोलों के पास खड़े होने से बिजली के झटके लगने का खतरा हो सकता है। पेड़ों के नीचे खड़े होने से गिरने वाली शाखाओं या पेड़ के गिरने से चोट लगने का खतरा हो सकता है।यदि संभव हो तो घर से बाहर न निकलें और अपरिहार्य स्थितियों में ही घर से बाहर निकलें। स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पालन करें और स्कूलों के बंद होने की सूचना का ध्यान रखें। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये अपील की है और उनका उद्देश्य शहर को सुरक्षित और स्वस्थ रखना है।

बांके बिहारी मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट के तीखे सवाल

» मंदिर के निजी होने की दलील पर अदालत नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट मे सुनवाई जारी है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच कर रही है। इन याचिकाओं में उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश को चुनौती दी गई है जिसके मुताबिक मंदिर से जुड़ी व्यवस्था राज्य सरकार एक ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। याचिकाओं में कहा गया है कि श्री बांके बिहारी जी मंदिर एक निजी धार्मिक संस्था है।

इस अध्यादेश के जरिए मंदिर पर सरकार अपरोक्ष रूप से अपना नियंत्रण करना चाह रही है। सीनियर एडवोकेट श्याम दीवान ने याचिकाकर्ताओं की पैरवी करते हुए निजी मंदिर होने की दलील दी। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मंदिर की आय सिर्फ आपने लिए नहीं बल्कि मंदिर विकास योजनाओं के लिए भी है। कोर्ट ने कहा कि राज्य का इरादा मंदिर के धन को हड़पने का नहीं लगता, वे इसे मंदिर के विकास पर खर्च कर रहे हैं।

कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा- अध्यादेश लाने की इतनी जल्दी क्या थी

सुप्रीम कोर्ट मंदिर ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच बांके बिहारी कॉरिडोर मुद्दे पर मध्यस्थता के लिए समिति गठित करने के पक्ष में है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा कि अध्यादेश लाने की इतनी जल्दी क्या थी। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि भगवान कृष्ण पहले मध्यस्थ थे, मामले में मध्यस्थता करने का प्रयास हो। मंदिर के धन का उपयोग तीर्थयात्रियों के लिए किया जाना चाहिए। इसे निजी व्यक्ति अपनी जेब में नहीं डाल सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश की संवैधानिकता की जांच पहले हाईकोर्ट को करनी चाहिए।

शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा की कार्यवाही कल तक स्थगित

» उपसभापति ने बताया विशिष्ट आदिवासी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन ने सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका आज लंबी बीमारी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में निधन हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

रास के उपसभापति हरिवंश ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सोरेन एक विशिष्ट आदिवासी नेता थे। दिशोम गुरु के रूप में प्रसिद्ध और जनता के बीच गुरुजी के नाम से लोकप्रिय, वे आदिवासी लोगों के आवाज थे।

लोकसभा में मानसून सत्र का 11वां दिन भी चढ़ा हंगामें की भेंट

» महिला सांसद की चेन लूट पर भी बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज 11वां दिन है, पिछले 10 दिनों में सदन की कार्यवाही ज्यादातर हंगामे के भेंट ही चढ़ी है। कुल मिलाकर मानसून सत्र राजनीतिक टकराव का केंद्र बना हुआ है। सरकार अपने विधायी कार्यों को आगे बढ़ाना चाहती है, वहीं विपक्ष एसआईआर समेत मुद्दों पर बहस को लेकर अड़ा हुआ है। लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने से पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकारी क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के संबंध में सदस्य की तरफ से पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया।

एसआईआर बहुत बड़ा मुद्दा सरकार को इस पर चर्चा करनी चाहिए : प्रियंका गांधी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, यह (एसआईआर) बहुत बड़ा मुद्दा है और सरकार को इसपर चर्चा करनी चाहिए। चर्चा करें और आगे बढ़ें।

कांग्रेस महिला सांसद से दिल्ली के सबसे सुरक्षित इलाके में छिनैती के मामले पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, जब कोई महिला सांसद इतने सुरक्षित क्षेत्र में भी सुरक्षित नहीं है तो देश के अन्य भागों में क्या हाल होगा, यह सभी के सामने है। आज सरकार पूरी तरह से चरमरा गई है। लोकतंत्र के मंदिर में लोकतंत्र की बात करने को तैयार नहीं है। अगर लोकतंत्र ही नहीं बचेगा तो संसद का क्या होगा?

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।